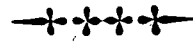


आचार्य कौटिल्य के आर्थिक विचारों का  
मूल्यांकन

काशी विद्यापीठ की  
पी-एच० डी० (अर्थशास्त्र) उपाधि के लिये  
प्रस्तुत शोध-प्रबन्ध

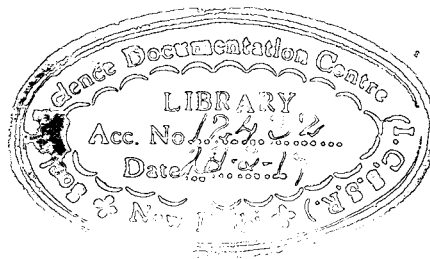


१६७३

निर्देशक  
डॉ० डी० एन० चतुर्वेदी  
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष  
अर्थशास्त्र विभाग  
काशी विद्यापीठ - वाराणसी

प्रस्तुतकर्ता  
गणेशशंकर मिश्र  
शोध-छात्र  
अर्थशास्त्र विभाग  
काशी विद्यापीठ - वाराणसी

TM345



CEH

CEH 507

16-106/104(M)77RS

CERTIFICATE OF AUTHENTICATION

I do hereby declare that the copy of the thesis submitted to the ICSSR is an authenticated copy of my thesis approved for the award of degree of Doctor of Philosophy by the University of Kashi, Vidyapeeth Varanasi

Date :

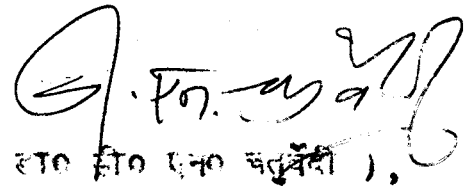
1-2-79

Signature.

Ganesh Shankar Mishra

संस्तुति

मैं प्रभावित करता हूँ कि श्री गणेश शंकर मिश्र ने मेरे निर्देशन में 'आचार्य कौटिल्य के आर्थिक विचारों का मूलांकन' शीर्षक पर मौलिक शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत किया है। मैं इस शोध-प्रबन्ध को पी-एच०डी० उपाधि के लिये परीक्षापात्र प्रस्तुत करने की संस्तुति करता हूँ।

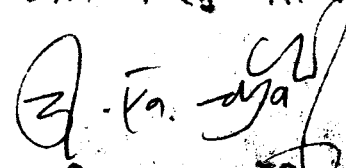


( ए० ए० ए० अनुवर्दी ),

प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग,  
काशी विश्वविद्यालय, वाराणसी ।

अनुसारा

श्री गणेश शंकर मिश्र का 'आचार्य कौटिल्य के आर्थिक विचारों का मूलांकन' शीर्षक शोध-प्रबन्ध पी-एच०डी० उपाधि के हेतु परीक्षापात्र अनुसारीत किया जाता है।



( ए० ए० ए० अनुवर्दी ),

प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग,  
काशी विश्वविद्यालय, वाराणसी ।

विषय सूची

<u>अध्याय</u>	<u>विषय</u>	<u>पृष्ठ संख्या</u>
प्रथम अध्याय	विषय प्रवेश	१-१४
द्वितीय अध्याय	ऋग्वेद एवं अथर्ववेद के आर्थिक विचारी का आचार्य कौटिल्य पर प्रभाव	१५-४५
तृतीय अध्याय	कौटिल्य के पूर्ववर्तियों के आर्थिक विचार और उनका आचार्य कौटिल्य पर प्रभाव क- उपनिषद्, ख- रामायण, ग- महाभारत, घ- पूर्ववर्ती आचार्य।	४६- १७१
चतुर्थ अध्याय	आचार्य कौटिल्य के अर्थशास्त्र का कृषिार्थ वस्तुषट्क ( धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष )	१०२ - १२४
पंचम अध्याय	आचार्य कौटिल्य का अर्थशास्त्र और उसका वर्ण्य विषय(१)- अर्थशास्त्र की परिभाषा, (२) उपभोग (३) उत्पादन (क)- कृषि, (ख)- पशुपालन, (ग) वाणिज्य, (घ)- उद्योग (४) - विनिमय - मुद्रा (५) - वितरण (६) - यातायात एवं परिवहन की व्यवस्था	१२५- २०५
षष्ठम अध्याय	कौटिल्य अर्थशास्त्र और लोकविव	२०६-२३३
सप्तम अध्याय	कौटिल्य का आर्थिक नियोजन एवं विकास	२३४- २४६
अष्टम अध्याय	आचार्य कौटिल्य के आर्थिक विचारी को वास्तुनिक युग में प्राथिकता ।	२४०-२७६

क्रमशः ----

नवम् अध्याय	वर्तमान अर्थशास्त्र एवं कौटिल्य के अर्थशास्त्र का एक तुलनात्मक अध्ययन ।	२७७-३२२
दशम् अध्याय	उपासहार	३२३-३५०
	सन्दर्भ ग्रन्थ सूची	३५१-३५७

---